>

Title: Need to take steps to prevent increasing incidents of suicides by farmers in the drought affected Vidarbha region of Maharashtra.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): महोदय, मैं सरकार का ध्यान महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में कृषि संकट के कारण किसानों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की तरफ दिलाना चाहता हूं। पिछले साल सितम्बर, 2009 में 7 किसानों ने आत्महत्याएं की । उस समय राज्य में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या 668 हो गई थी । राज्य में पिछले पांच वर्षों में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या 7000 से अधिक हो गई है । अभी हाल ही में 30 मार्च, 2010 के आसपास 25 किसान विदर्भ में आत्महत्या कर चुके हैं । सिर्फ एक दिन में 9 किसान आत्महत्या कर चुके हैं । इस साल 30 मार्च, 2010 तक 194 किसान विदर्भ क्षेत्र में आत्महत्यायें कर चुके हैं । यह अत्यन्त भयावह स्थिति है । तमाम पैकेजों और आश्वासनों के बावजूद किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं । इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इस क्षेत्र में 15,000 गांवों को अकाल पीड़ित घोषित किया गया है, लेकिन अकाल की स्थिति का मुकाबला करने के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं किए गए हैं ।

ऐसी स्थिति में मेरा सरकार से यह निवेदन है कि सरकार विदर्भ क्षेत्र में अकाल पीड़ित किसानों के लिए जो पैकेज और अन्य सहायता दे रही है वे किसानों तक पहुंच रहे हैं या नहीं, इसकी जांच की जानी चाहिए और किसान आत्महत्याएं क्यों कर रहे हैं और इसके लिए कौन जिम्मेवार है, इसको सुनिश्चित किया जाना चाहिए ।